... व्यवस्था के साथ व्यापार विनिमय में इनका प्रयोग होता था।

[B] फारस की खाड़ी और मेसोपोटामिया के साथ व्यापार

- हड़प्पा सभ्यता के लोगों का तत्कालीन पश्चिमी एशिया की सभ्यताओं के साथ व्यापार और विनिमय के सम्बन्ध थे मेसोपोटामिया हड़प्पा सभ्यता के मुख्य क्षेत्र से काफी दूर स्थित था फिर भी इन दोनों सभ्यताओं के बीच व्यापार सम्बन्ध थे मेसोपोटामिया से हड़प्पा युग की दो दर्जन मुहरे मिली है सिन्धु क्षेत्र में मेसोपोटामियायी मूल की केवल तीन बेलनाकार मुहरे और धातु की कुछ वस्तुएं मिली हैं इस प्रकार पश्चिमी एशिया के साथ व्यापार के अधिक पुरातात्विक प्रमाण नहीं मिलते है लेकिन मेसोपोटामियायी साहित्य में इस बात के वर्णन हैं हड़प्पा एवं मेसोपोटामिया के बीच सम्बन्धों को निम्न इस प्रकार देखा जा सकता है

a - सम्पर्क के पुरातात्विक प्रमाण → (I) विनिमय के विषय में हमारी जानकारी का आधार मेसोपोटामिया में पायी गयी विशिष्ट हड़प्पा कालीन मुहरे है मेसोपोटामिया के Susa, Ur इत्यादि शहरों में हड़प्पा सभ्यता की तथा हड़प्पाकालीन मुहरों से मिलती जुलती लगभग दर्जन मुहर पायी गयी है।

(II) हाल ही में फारस की खाड़ी में Failka और Behrain जैसे प्राचीन स्थानों में भी हड़प्पा कालीन मुहरे पायी गयी हैं।

(III) मेसोपोटामिया के Nippur शहर में एक मोहर पायी गयी है जिसपर हड़प्पा कालीन लिपि उत्कीर्ण है। और एक सिंग वाला पशु बना हुआ है।

(IV) वर्गाकार सिन्धु मुहर जिसपर एक सिंग वाला पशु और हड़प्पाई लिपि उत्कीर्ण है, मेसोपोटामिया के Kish शहर में पायी गयी है

(V) एक अन्य शहर Umma में भी सिन्धु सभ्यता की एक मुहर पायी गयी है

(vi) Tel Asmar में हड़प्पा कालीन (मिट्टी का) शिल्प नक्काशी किये हुए लाल पत्थर के मनके और गुर्दे के आकार के हड्डी के नराफ काम पाये गये है। इनसे मेसोपोटामिया और हड़प्पा सभ्यता के बीच व्यापार सम्बन्ध के बारे में पता चलता है

(vii) पक्की मिट्टी की छोटी मूर्तियाँ जो साधारणतया सिन्धु घाटी में पायी गयी है मेसोपोटामिया में Nippur में भी पायी गयी है। इन छोटे मूर्तियों के पायी गयी है उनमें प्रमुख है। — एक मोटे पेट वाला नग्न पुरुष, जानवरों जैसे चेहरे, गोल-मटोल पूछे और हिलने डुलने वाली हाथों को जोड़ने के लिए कन्धों में खाली जगह

(viii) सिन्धु के चौसर के नमूने मेसोपोटामिया के Ur, Nippur or Tel Asmar शहरों से पाये गये है।

(ix) मेसोपोटामिया में विशिष्ट आकार के मनके भी पाये गये हैं जो सिन्धु क्षेत्र से लाये जाते थे।

(x) चान्हूदड़ो में पाये गये इकहरे, दोहरे, तिहरे, वृत्ताकार मनके मेसोपोटामिया के Kish में पाये गये मनकों से बहुत मिलते-जुलते हैं

(xi) मेसोपोटामिया में ही हड़प्पा कालीन बाट पाये गये हैं।

Note Behrain के बन्दरगाह की खुदाई द्वारा इस प्रकार के अनेक मुहरें पायी गयी है।

(xii) हड़प्पा सभ्यता की बस्तियों में मेसोपोटामिया की बहुत कम वस्तुएं पायी गयी है — (क) - मोहनजोदड़ो में मेसोपोटामिया की खाड़ी सभ्यता की बेलनकार मुहरों के नमूने पाये गये हैं। कुछ धातु की वस्तुएं सम्भवतः मेसोपोटामिया से लायी गयी थी।

(ख) लोथल में एक बेलनकार मुहर पायी गयी है

(ग) लोथल में ताम्बे के ढले हुए धातु पिण्ड भी पाये गये है। ये फारस की खाड़ी की द्वीपों और Susa में पायी गयी मुहरों से मिलते जुलते है।

(xiii) हड़प्पा और मेसोपोटामिया के बीच प्रत्यक्ष व्यापार विनिमय होता था, इन प्रमाणों से प्रमाणित होता है। हड़प्पा सभ्यता में मेसोपोटामियायी वस्तु बहुत कम मिली है। इससे यह पता चलता है कि परम्परागत रूप से मेसोपोटामिया के लोग कपड़े, ऊन, खुशबूदार तेल और चमड़े के उत्पाद बाहर भेजते थे ये वस्तुएं जल्द नष्ट हो जाने वाली थी और इसी कारण उनके अवशेष हड़प्पाकालीन बस्तियों से नहीं मिले है।

(xiv) हड़प्पा वासी शायद चाँदी मेसोपोटामिया से आयात करते थे हड़प्पा सभ्यता में चाँदी के स्रोत नहीं थे फिर भी बड़े पैमाने पर इसका प्रयोग किया जाता था।

Scanned with CamScanner

(b) विनिमय के लिखित प्रमाण

(I) मेसोपोटामिया के कुछ प्राचीन लेख पाये गये हैं जिनसे उनके हड़प्पा कालिन सभ्यता के साथ व्यापार सम्बन्धों का पता चलता है।

(II) मेसोपोटामियां के स्थित Akkad के प्रसिद्ध सम्राट Sargon (2350 BC) का यह दावा था कि Dilmum, Magan एवं Meluha के जहाज उसकी राजधानी के लँगर डालते थे विद्वान साधारण तथा Meluha को तथा हड़प्पा सभ्यता के समुद्रतटीय नगरों या सिन्धु नदी के क्षेत्र को एक ही मानते हैं। कुछ विद्वानों का मानना है कि Magan तथा Makaran समुद्र तट एक ही है

(III) Ur शहर के व्यापारियों द्वारा प्रयोग में लाये जाने वाले कुछ अन्य दस्तावेज पाये गये हैं यह इस बात की ओर संकेत करता है कि Ur के व्यापारी मेलुहा से तांबा, गोमेद, हाथी दांत, लाजवर्दमणी, मोती, और आबनूस का आयात करते थे ऐसा लगता है कि ये वस्तुएं हड़प्पाकालीन बस्तियों में बहुतायत मात्रा में मिलती थी।

(IV) मेसोपोटामियायी प्रारम्भिक साहित्य में Meluha के व्यापारी समुदाय का जिक्र है जो मेसोपोटामिया में रहता था।

(V) मेसोपोटामिया के एक अन्य दस्तावेज में मेलुहा की भाषा के सरकारी दुभाषिय (Interpreter) का जिक्र है।

इस प्रकार हम देखते हैं कि हड़प्पा सभ्यता के लोगों और मेसोपोटामिया के बीच व्यापारिक सम्बन्ध अप्रत्यक्ष नहीं थे इन समाजों के बीच भौगोलिक दूरी को देखते हुए इनके बीच नियमित आदान प्रदान की आशा नहीं की जा सकती फिर भी इन दोनों के बीच बहुत नजदीक के सम्बन्ध थे यह इस बात से भी स्पष्ट होता है कि Akkad के शासक यह दावा करता था कि Meluha के जहाज उसकी राजधानी के लंगर डालते थे।

(C) परिवहन के साधन

(I) हड़प्पा और मोहनजोदड़ो में पायी गयी मोहरों में जहाजों और नावों के चित्र मिले हैं।

(II) लोथल में पकी मिट्टी की बनी जहाज का नमूना पाया गया है जिसमें मस्तूल के लिए एक लकड़ी फिटिंग खोल

तथा मस्तूल लगाने के लिए एक छेद है।

(iii) लोथल से एक डकयॉर्ड मिला है लोथल के अतिरिक्त रंगपुर सोमनाथ बालाकोट जैसे स्थानों से हड़प्पा सभ्यता के लोगों द्वारा बाहर जाने के रूप में प्रयोग होता था।

(iv) मकरान समुद्र तट पर स्थित सुतकांगेडोर जैसी हड़प्पाकालीन बस्तियां पायी गयी हैं ऐसी अनुपयोगी क्षेत्रों में उनके उपस्थित होने का मतलब था की पश्चिमी भारत तथा सिन्ध के समुद्रतट पर टकराने वाली लहरों एवं तूफानी हवाओं से बचने का स्थान मौजूद था हड़प्पा वासियों द्वारा बारिश के महीनों में बाहर जाने के रास्ते के रूप में इसका प्रयोग किया जाता था।

(v) बैलगाड़ी अन्तर्देशीय परिवहन का साधन थी हड़प्पा कालीन बस्तीयों से मिट्टी के बने बैलगाड़ी के अनेक नमूने पाये गये। हड़प्पा में एक कांस्य की गाड़ी का नमूना पाया गया है जिसमें एक चालक बैठा है तथा छोटी गाड़ीयों के नमूने भी पाये गये हैं। जो बहुत कुछ पंजाब के आधुनिक इक्कों से मिलते जुलते हैं।

(vi) जंगलों वाले क्षेत्र में लम्बे सफर के लिए भारवाही बैलों के काफिले प्रयोग में लाये जाते थे।

=

Scanned with CamScanner